Roll No. ..... Total Pages : 4

CMDE/M-24 **10250**

हजारी प्रसाद द्विवेदी

Paper–MAH-205(iii)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 8

(क) भारतीय संस्कृति पर कुछ कहने से पहले मैं एक निवेदन कर देना कर्तव्य समझता हूँ कि संस्कृति को किसी देश-विशेष या जाति विशेष की अपनी मौलिकता नहीं मानता। मेरे विचार से सारे संसार के मनुष्यों की एक सामान्य मानव-संस्कृति हो सकती है। यह दूसरी बात है कि व्यापक संस्कृति अब तक सारे संसार में अनुभूत और अंगीकृत नहीं हो सकी है। नाना ऐतिहासिक परम्पराओं के भीतर से गुजरकर और भौगोलिक परिस्थितियों में रहकर संसार के भिन्न-भिन्न समुदायों ने उस महान मानवी संस्कृति के भिन्न-भिन्न पहलुओं का साक्षात्कार किया है। नाना प्रकार की धार्मिक साधनाओं, कलात्मक प्रयत्नों और सेवा, भक्ति तथा योगमूलक अनुभूतियों के भीतर से मनुष्य उस महान सत्य के व्यापक और परिपूर्ण रूप को क्रमशः प्राप्त करता जा रहा है, जिसे हम 'संस्कृति' शब्द द्वारा व्यक्त करते हैं।

(ख) मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ। जो वाग्जाल मनुष्य को दुर्गति, हीनता और परमुखापेक्षिता से बचा न सके, जो उसकी आत्मा को तेजोद्दीत न बना सके, जो उसके हृदय को परदु:खकातर और संवेदनशील न बना सके, उसे साहित्य कहने में मुझे संकोच होता है। मैं अनुभव करता हूँ कि हम लोग एक कठिन समय के भीतर से गुजर रहे हैं। आज नाना भाँति के संकीर्ण स्वार्थों ने मनुष्य को कुछ ऐसा अन्धा बना दिया है कि जाति-धर्म निर्विशेष मनुष्य के हित की बात सोचना असंभव सा हो गया है। ऐसा लग रहा है कि किसी विकट दुर्भाग्य के इंगित पर दलगत स्वार्थ से प्रेम ने मनुष्यता को दबोच लिया है। दुनिया छोटे-छोटे संकीर्ण स्वार्थों के आधार पर अनेक दलों में विभक्त हो गई है।

2. निम्नलिखित पाठांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4×2=8)

आगुल्फ इक्त चीवर में समाच्छादित उस तरुण तपस्वी को देखकर मैं मंत्रमुग्ध सी खड़ी रह गई। कौन है यह ब्रह्मचर्य की विजय पताका, धर्म का यौवान-काल, वाग्देवी का वेशविन्यास, सर्वसविद्याओं का स्वयंवृत पति, समस्त ज्ञान का मिलन-तीर्थ, शोभा का समुद्र, गुणों की अग्कर भूमि, कीर्ति का कैलास, छवि का स्त्रोतस्वान्, प्रेम का उद्गमविहार।

(क) प्रस्तुत गद्यांश किस रचना से लिया गया है?

(ख) रेखांकित शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ग) ये शब्द किस पात्र ने किसके लिए कहे हैं?

(घ) इस कथन की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (12×3=36)

(क) आचार्य हजारी प्रसाद के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के साहित्यिक अवदान का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी विषयानुकूल भाषा लिखने में सिद्धहस्त हैं।' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

(ग) उपन्यासकार के रूप में हजारी प्रसाद द्विवेदी के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

अथवा

ललित निबंधकार के रूप में हजारी प्रसाद द्विवेदी का मूल्यांकन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणी कीजिए। (लगभग 200 शब्दों में) (5×4=20)

(क) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का शिल्प।

(ख) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में प्रेम की परिकल्पना।

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य चिंतन।

(घ) 'वसन्त आ गया है' निबंध का सार।

(ङ) 'प्रायश्चित की घड़ी' निबंध में निहित संदेश।

(च) 'अशोक के फूल' निबंध की भाषा।

(छ) 'नया वर्ष आ गया' निबंध का प्रतिपाद्य।

5. सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (8×1=8)

(क) आचार्य हजारी प्रसाद जी की प्रथम रचना कौन-सी है?

(ख) भारत सरकार ने द्विवेदी जी को कब पद्मभूषण से सम्मानित किया?

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी का जन्म किस गाँव में हुआ?

(घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी का वास्तविक नाम क्या है?

(ङ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के दो निबंध संग्रहों के नाम बताइए।

(च) 'अशोक के फूल' निबंध संग्रह में कुल कितने निबंध हैं?

(छ) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' लेखन की मूल प्रेरणा कहाँ से मिलती है?

(ज) आचार्य द्विवेदी को किस रचना पर साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ?